

प्रेषक,

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त
उत्तराखण्ड शासन।

सत्ता में,

वित्त अधिकारी
सचिवालय प्रशासन
देहरादून।

समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।

देहरादून, दिनांक 07 अगस्त-2007

विषय: समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ से सम्बन्धित 01-04-2007 से 31-07-2007 तक के लिए पारित लेखानुदान की धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-255/XXVII(1)/2007, दिनांक 26 मार्च, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय 01-04-2007 से 31-07-2007 तक के लिए पारित लेखानुदान की धनराशियों में से सचिवालय स्तरीय समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ से सम्बन्धित अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत प्राविधानित आयोजनागत पक्ष में संलग्नक के अनुसार रु० 23,85,000/- (रुपये तीस लाख पच्चासी हजार मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत खालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाये।
2. उक्त आबंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाये।
3. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लें कि आवश्यकतानुसार आबंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में, चाहे वह वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षकों को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर ताल स्याही से अनुदान संख्या तथा आयोजनोत्तर/आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में राही बुकिंग में बाधा होगी।
4. नित्यव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पालन किया जाये। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व शासन से स्वीकृति प्राप्त किया जायगा।
5. अपर्युक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण- आयोजनागत- 01-अनुसूचित जातियों का कल्याण-001-निर्देशन तथा प्रशासन- 07-एस सी पी./टी.एस.पी.नियोजन प्रकोष्ठ का अधिष्ठान- 00-" की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
7. कृपया उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।
- 8- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-30(P)/XXVII(3)/2007, दिनांक 16अप्रैल 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्न - यक्षोपरि।

भवदीय,

/
 (विनीता कुमार)
 प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,

संख्या-227(1)/XVII(1)/07-42(प्रकोष्ठ)/2006/तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निदेशक, कौषागार एवं वित्त सेवाएं, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रक)अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
4. निदेशक, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी (नैनीताल)।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
7. मुख्य कौषाधिकारी, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

/

(सुबर्द्धन)

अपर सचिव

लेखा शीर्षक :

आयोजनागत

अनुदान संख्या-30

मतदेय

2225-01-001-07-00

मुख्य शीर्षक

उप मुख्य शीर्षक

लघु शीर्षक

उप शीर्षक

व्यौरवार शीर्षक

2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण

01-अनुसूचित जातियों का कल्याण

001-निर्देशन तथा प्रशासन

07-एस.सी.पी./टी.एस.पी.नियोजन प्रकोष्ठ का अतिष्ठान

00-

मानक मद	(रुपये हजार में) आबंटित धनराशि
01-वेतन	450
03-महगाई भत्ता	238
04-यात्रा व्यय	67
06-अन्य भत्ते	55
07-मानदेय	167
08-कार्यालय व्यय	67
09-विभूत देय	03
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	67
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	17
13-टेलीफोन पर व्यय	50
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	333
18-प्रकाशन	167
19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	167
22-आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	17
26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संचय	17
27-विकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	33
42-अन्य व्यय	33
44-प्रशिक्षण व्यय	12
45-अवकाश यात्रा व्यय	33
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय	117
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	50
48-महगाई वेतन	225
योग	2385

(रुपये तेईस लाख पच्चासी हजार मात्र)

(सुबर्दन)

अपर सचिव